ज़ाइगोग्रामा बीटल की सफलता की कहानी, किसान की जुबानी

किसान का नाम/पिता का नाम– **अशोक कुमार वर्मा/स्व. जी.एस. वर्मा**

खेती/फसल का नाम– **केला**

ग्राम– **अमलेश्वर, पाटन (छत्तीसगढ़)**

जिला– **दुर्ग–2**

मोबाईल नं– **9407667890**

जन्म स्थान एवं वर्ष– **रायपुर, 26/12/1952**

खेती का रकबा (एकड़) जिसमें *ज़ाइगोग्रामा* बीटल छोड़ा गया– **1.75 एकड़**

कृषि विज्ञान केन्द्र, पाहंदा (अ), दुर्ग–II के कृषक **अशोक कुमार वर्मा** को '*ज़ाइगोग्रामा* बीटल', **बायोएजेन्ट उत्पादन एवं प्रशिक्षण प्रयोगशाला, कीट विज्ञान विभाग, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर** से प्राप्त हुआ। कृषक द्वारा 50 *ज़ाइगोग्रामा* बीटल को केले के खेत में जहां गाजर घास की बहुत भारी समस्या थी छोड़ा गया। कृषक को एक माह बाद इस *ज़ाइगोग्रामा* बीटल से अच्छे परिणाम प्राप्त हुए तथा कृषक बंधु का कहना है कि ये *ज़ाइगोग्रामा* बीटल गाजर घास के सारी पत्तियों को खा गए एवं मात्र फूल शेष रह गए साथ ही साथ *ज़ाइगोग्रामा* बीटल की संख्या में हजार गुणा बढ़ोतरी हुई एवं ये *ज़ाइगोग्रामा* बीटल स्वयं गुणन एवं वृद्धि कर खेत में सभी जगह फैल गए। अप्रैल–मई के माह में भी *ज़ाइगोग्रामा* बीटल की उपस्थिति देखी गई। कृषक बंधु को *ज़ाइगोग्रामा* बीटल के सफल परिणाम केले के खेत में गाजर घास के विरूद्ध प्राप्त हुए है। किसान का कहना है कि यदि *ज़ाइगोग्रामा* बीटल को गाजर घास के फूल आने की अवस्था से पहले छोड़ा जाए तब उसके और भी अच्छे परिणाम प्राप्त होगें।